राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 26 जनवरी 2026
वर्ष 14,अंक 277, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बाइक की टंकी ब्लास्ट युवक जला जिंदा नाइट ड्यूटी करने जा रहा था, साथी गंभीर रूप से झुलसा..03

वन विभाग की दोहरे मापदण्ड से उपजते सवाल..04

जजों के तबादले में सरकार की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिएः जस्टिस उज्ज्वल भुइयां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने केंद्र सरकार के अनुरोध पर हाईकोर्ट के एक जज के प्रस्तावित तबादले में बदलाव करने के हालिया कॉलेजियम के फैसले पर चिंता जताई है. रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि न्यायिक तबादलों और नियुक्तियों के मामलों में कार्यपालिका (सरकार) की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि पुणे के आईएलएस लॉ कॉलेज में 'संवैधानिक नैतिकता और लोकतांत्रिक शासन' विषय पर आयोजित जीवी पंडित स्मृति व्याख्यान में बोलते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि कॉलेजियम द्वारा यह दर्ज करना कि स्थानांतरण प्रस्ताव केंद्र सरकार के अनुरोध पर किया गया था, 'संवैधानिक रूप से स्वतंत्र प्रक्रिया मानी जाने वाली इस प्रक्रिया में कार्यपालिका के दखल का स्पष्ट संकेत है।' उन्होंने किसी न्यायाधीश का नाम लिए बिना इस कदम के निहितार्थों पर सवाल उठाए।

जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा, 'किसी न्यायाधीश को सिर्फ इसलिए एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में क्यों स्थानांतरित किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने सरकार के खिलाफ कुछ असुविधाजनक आदेश पारित किए थे? क्या इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होती?' उन्होंने यह सवाल उठाते हुए चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाई संविधान के एक मूलभूत सिद्धांत पर प्रहार करती है।

रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस भुइयां की ये टिप्पणियां अक्टूबर के उस फैसले से संबंधित हैं जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने जस्टिस अतुल श्रीधरन को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने के अपने प्रारंभिक प्रस्ताव को संशोधित करते हुए, उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी. कॉलेजियम के प्रस्ताव में कहा गया है कि यह बदलाव 'सरकार द्वारा पुनर्विचार के अनुरोध पर' किया गया है. छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में जस्टिस श्रीधरन कॉलेजियम के सदस्य बन जाते, जबकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वरिष्ठता में उनके सातवें स्थान पर होने की संभावना है।

तबादले केवल 'न्याय के बेहतर प्रशासन' के लिए किए जाते हैं: जस्टिस भुइयां

जस्टिस भुइयां ने दोहराया कि स्वाभाविक रूप से, केंद्र सरकार उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के तबादलों और तैनाती के मामले में कोई दखल नहीं दे सकती. वह यह नहीं कह सकती कि अमुक न्यायाधीश का तबादला किया जाना चाहिए या नहीं. यह न्यायपालिका का अपना अधिकार क्षेत्र है।

उन्होंने आगे कहा कि तबादले केवल 'न्याय के बेहतर प्रशासन' के लिए किए जाते हैं, न कि न्यायाधीशों को दंडित करने के साधन के रूप में. जस्टिस भुइयां के अनुसार, 'जब कॉलेजियम यह मानता है कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का तबादला केंद्र सरकार के अनुरोध पर किया जा रहा था, तो यह कार्यपालिका के प्रभाव का एक स्पष्ट अतिक्रमण दर्शाता है, जबकि संवैधानिक रूप से यह एक स्वतंत्र प्रक्रिया होनी चाहिए, जिसे कार्यपालिका और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रखने के लिए बनाया गया है।'

कॉलेजियम प्रणाली के उद्देश्य पर जोर देते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि इसका गठन न्यायिक नियुक्तियों और तबादलों को कार्यपालिका के दबाव से बचाने के लिए किया गया था, और चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार का बदलाव इसकी अखंडता को कमजोर करता है. उन्होंने आगे कहा, 'अब जबकि न्यायपालिका ने कॉलेजियम प्रणाली को बदलने के सरकार के प्रयास को विफल कर दिया है, न्यायपालिका विशेष रूप से कॉलेजियम के सदस्यों के लिए, यह सुनिश्चित करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि कॉलेजियम स्वतंत्र रूप से कार्य करता रहे।'

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्यायपालिका की अखंडता को 'हर कीमत पर बनाए रखा जाना चाहिए.' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि न्यायिक स्वतंत्रता के लिए खतरे 'अंदर से' आ सकते हैं, और न्यायाधीशों से राजनीतिक या वैचारिक पूर्वाग्रह से बचने का आग्रह किया. जस्टिस भुइयां ने कहा, 'यह लोकतंत्र के लिए एक दुखद दिन होगा यदि किसी मामले का परिणाम केवल यह जानकर ही अनुमानित हो जाए कि कौन सा न्यायाधीश या पीठ इसकी सुनवाई कर रही है.' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वतंत्र न्यायपालिका 'अपरिवर्तनीय' है।

दिल्ली एलजी द्वारा दायर बीस साल पुराने मानहानि केस में मेधा पाटकर बरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

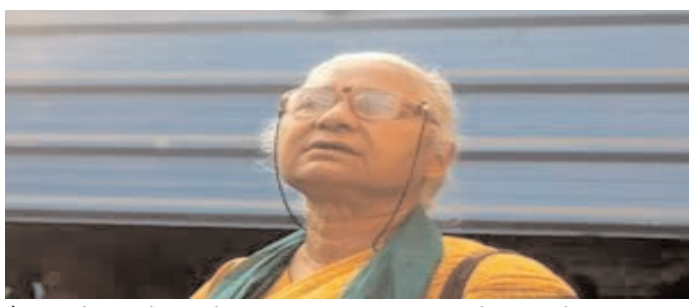

नई दिल्लीः- दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार (24जनवरी) को सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा दायर 20 साल पुराने मानहानि मामले में बरी कर दिया. साकेत कोर्ट के साकेत कोर्ट के फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने कहा कि सक्सेना यह साबित करने में विफल रहे कि पाटकर ने अप्रैल 2006 में एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान उनके ख़िलाफ़ मानहानिकारक बयान दिए थे. मालूम हो कि यह मामला 2006 का है. वीके सक्सेना उस समय नेशनल काउंसिल आफ सिविल लिबर्टीज (एनसीसीएल) के अध्यक्ष थे. उन्होंने 20 अप्रैल, 2006 को निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम के दौरान मानहानि का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने दावा किया कि मेधा पाटकर ने आन एयर उन पर सरदार सरोवर निगम से सिविल कान्ट्रैक्ट लेने का आरोप लगाया, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

अदालत ने माना कि पाटकर विवादित कार्यक्रम में पैनलिस्ट नहीं थीं और प्रसारण के दौरान केवल उनका पहले से रिकॉर्ड किया गया वीडियो क्लिप चलाया गया था।

न्यायाधीश ने कहा, 'यह ध्यान देने योग्य है कि न तो ऑडियो-वीडियो रिकॉर्ड करने वाले रिपोर्टर को और न ही आरोपी को आपत्तिजनक बयान देते हुए देखने वाले किसी व्यक्ति को गवाह के रूप में पेश किया गया है. ' उन्होंने आगे कहा कि प्रसारण के दौरान चलाया गया वीडियो पाटकर द्वारा आयोजित किसी साक्षात्कार या प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा प्रतीत होता है. न्यायाधीश ने कहा कि अदालत को किसी भी बात को साबित करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस के पूरे वीडियो और ऑडियो प्रस्तुत करना अनिवार्य है. उन्होंने कहा कि सक्सेना कथित मानहानिकारक बयानों को रिकॉर्ड करने वाले मूल वीडियो फुटेज या रिकॉर्डिंग उपकरण को प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं. परिणामस्वरूप, न्यायाधीश ने आगे कहा कि आरोप साबित नहीं किए जा सकते. गौरतलब है कि इससे पहले बीते साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने सक्सेना द्वारा 2001 में दायर एक अलग मानहानि मामले में पाटकर की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था।

सक्सेना ने आरोप लगाया था कि पाटकर ने नवंबर 2000 में जारी किए गए 'देशभक्त का सच्चा चेहरा' शीर्षक वाले एक प्रेस नोट में उनके खिलाफ मानहानि वाली बातें कहीं थीं।

मई 2024 में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने इस मामले में पाटकर को दोषी ठहराया था. उन्हें आपराधिक मानहानि का दोषी पाया गया और दो साल की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा सुनाई गई।

अदालत ने यह भी पाया था कि पाटकर ने सक्सेना पर 'गुजरात की जनता और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रखने' का आरोप लगाया था और इस आरोप को उनकी ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर 'सीधा हमला' माना था. इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी बरकरार रखा गया था।

गोरखपुर में जमीन विवाद में फायरिंग, घर में घुसकर युवक की कर दी हत्या, भाई की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में झगहा थाना क्षेत्र के दुबौली गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक प्रधान प्रत्याशी को उसके घर में घुस कर कुछ बदमाशों ने गोली मार दी है,जिसके बाद उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेजा गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. जमीनी विवाद में गोली मारने का मामला सामने आ रहा है. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुड़ गई है. यह पूरा मामला गोरखपुर के झगहा थाना क्षेत्र दुबौली गांव में रविवार की सुबह की है,घर में घुसकर युवक पंकज निषाद को गोली मारने वाले उसके पटीदार बताए जा रहे है।

गोरखपुर के झगहा थाना क्षेत्र में रविवार को जमीनी विवाद में एक युवक की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है. पंकज निषाद को रविवार की सुबह लगभग 9 बजे 4 से 5 लोगों ने उसके घर में घुसकर गोली मार दी. गोली लगते ही पंकज गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. वहीं मृतक पंकज निषाद की बेटी ने बताया कि हमारे पटीदार, अंकुल, सूरज, रामजतन और विशाल ने मेरे घर में घुस गए, और मेरे चाचा को कुदाल से पीटने लगे, जब उन्हें बचाने के लिए हमारे पापा गए तो उन्हें भी मारा, फिर अंदर कमरे में ले जाकर गोली मार दी।

घर में घुसकर मारी गोली

फिलहाल अभी शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी अंकुल करीब चार-पांच साल बाद रविवार को कार से अपने घर आया था. उसके साथ अन्य कई लोग मौजूद थे. कार से उतरने के बाद अंकुल अपने लोगों के साथ अपने पाटीदार पंकज के घर पहुंच गया और मारपीट शुरू कर दी. जिसके बाद उसने इस घटना को अंजाम दिया है. बताया जा रहा है कि घटना के समय मृतक पंकज निषाद के घर में माता-पिता भाई-बहन और बच्चे मौजूद थे. आरोपी अंकुल अपने पाटीदार पंकज निषाद को बुलाया और उसके बाद उसे गोली मार दी. गोली लगते ही पंकज जमीन पर गिर पड़ा,जिसके बाद घर में कोहराम मच गया।

इलाज के दौरान हुई मौत

घटना के बाद आनन-फानन में उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेजा गया. इलाज के दौरान पंकज की मौत हो गई. वहीं आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है. प्रारंभिक जांच में पुलिस ने इस घटना की वजह जमीनी विवाद बता रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

भारत की तरक्की से कुछ देशों को अपनी दुकान बंद होने का डर, बिहार में मोहन भागवत का बड़ा बयान

मुजफ्फरपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर सर संघचालक मोहन राव भागवत ने कहा कि भारत के आगे बढ़ने से कुछ देशों को अच्छा नहीं लग रहा है। उन्हें अपनी दुकान बंद होने का खतरा दिख रहा है, इसी कारण वे भारत की प्रगति के मार्ग में बाधाएं खड़ी कर रहे हैं। रविवार को बोचहा प्रखंड के गरहा स्थित ब्लू डायमंड होटल में आयोजित सामाजिक सद्भाव विचार गोष्ठी सह संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सर संघचालक ने कहा कि भारत के विश्व में सिरमौर बनने की परिस्थितियां बन रही हैं, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए समाज में आपसी निर्भरता और सद्भाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सद्भाव के अभाव में समाज आपसी संघर्ष में उलझ जाता है। इतिहास गवाह है कि किसी विदेशी शक्ति ने अपनी ताकत के बल पर भारत को पराधीन नहीं बनाया, बल्कि हमारी आपसी फूट का लाभ उठाकर विजय हासिल की।

यदि समाज में सद्भाव बना रहे तो लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होंगे और समस्याएं स्वतः दूर होती जाएंगी। सर संघचालक ने कहा कि आज समाज जाग रहा है और देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। यदि खंड या प्रखंड स्तर पर बैठकर समाज अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं करे, तो लोगों को किसी नेता का मोहताज नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपनी-अपनी जाति व बिरादरी की उन्नति के साथ-साथ अन्य समाजों की समस्याओं के समाधान हेतु किए गए प्रयासों की जानकारी भी ली। कार्यक्रम से पूर्व क्षेत्र कार्यवाह मोहन सिंह ने विषय प्रवेश कराया। इस अवसर पर क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन, उत्तर बिहार संघचालक गौरीशंकर प्रसाद, प्रांत प्रचारक रविशंकर सिंह बिशेन, विभाग संघचालक चंद्रमोहन खन्ना चन्नी, वाल्मीकि विमल सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे। आयोजन में उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से करीब 300 लोगों ने भाग लिया।

किस बात को लेकर हमलावर से हुई थी बहस? मुंबई लोकल ट्रेन में प्रोफेसर की हत्या की पूरी कहानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र में शनिवार शाम मुंबई के मलाड रेलवे स्टेशन पर हुई प्रोफेसर की हत्या के मामले में रेलवे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने बताया कि आलोक सिंह पेशे से प्रोफेसर थे. यह घटना शनिवार शाम मलाड रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उस समय हुई, जब लोकल ट्रेन से उतरते वक्त भारी भीड़ के कारण आलोक सिंह की टक्कर एक अन्य यात्री से हो गई.

इस घटना के बाद का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसमें साफ नजर आ रहा है कि आरोपी ओमकार एकनाथ शिंदे लोकल ट्रेन से उतरते हुए ट्रेन के अंदर खड़े आलोक सिंह पर धारदार हथियार से हमला करता है और तुरंत फरार हो जाता है. मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपी आगे बढ़ने के लिए लगातार धक्का दे रहा था, जिस पर आलोक सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि सामने एक महिला खड़ी है. इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया.

स्टेशन पर मच गई अफरा-तफरी

इसके बाद गुस्से में आकर आरोपी ओमकार एकनाथ शिंदे ने अपनी जेब में रखे एक धारदार चिमटे से आलोक सिंह के पेट पर हमला कर दिया. हमले के बाद आलोक सिंह खून से लथपथ होकर प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े. उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां अस्पताल ले जाते हुए उनकी मौत हो गई. घटना के बाद आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई. रेलवे पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली.

जांच में सामने आया कि आरोपी ओमकार शिंदे खेतवाड़ी इलाके की एक मेटल फैक्ट्री में काम करता है और रोज मलाड से चरनी रोड तक इसी लोकल ट्रेन से यात्रा करता था. तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी को ट्रैक कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल उसे बोरीवली पुलिस स्टेशन ले जाया गया है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है.

तैनात सुरक्षा कर्मियों को सस्पेंड करने की मांग

पुलिस के मुताबिक, वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार चाकू नहीं, बल्कि एक तेज धार वाला चिमटा था, जिसे आरोपी ने घटना के बाद फेंक दिया. पुलिस अब उस हथियार की तलाश कर रही है. इस घटना के बाद मृतक के परिवार ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं. परिवार का कहना है कि मलाड स्टेशन पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निलंबित किया जाना चाहिए. उन्होंने सवाल उठाया है कि जब कोई यात्री खुलेआम धारदार हथियार लेकर यात्रा कर सकता है तो रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आखिर कितनी मजबूत है. मेटल डिटेक्टर कहां हैं और अगर भविष्य में कोई बड़ा हादसा हुआ, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने पूरे स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी है और लोगों से अपील कर रही है कि वो मामूली बात पर किसी अन्य मुसाफिर से झगड़ा लड़ाई न करें. वरना घटना गंभीर रूप ले लेती है. अब पुलिस यह जांच कर रही है कि यह हमला सिर्फ गुस्से में किया गया था या इसके पीछे कोई और वजह भी थी. मामले की जांच जारी है.

20 साल बाद आई ये नौबत... कैसे 10 सर्कुलर रोड छोड़ने को मजबूर हुई राबड़ी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालू, राबड़ी और तेजस्वी पिछले 20 साल से जिस बंगले में रह रहे थे, उसे खाली करने का फरमान जारी हो गया है. 10, सर्कुलर रोड स्थित बंगले को राज्य सरकार ने राबड़ी देवी के नाम पर आवंटित कर रखा था. राबड़ी देवी बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता हैं और इसी हैसियत से उन्हें 10, सर्कुलर रोड का बंगला मिला है. लेकिन अब सरकार ने नया फैसला ले लिया है।

राज्य सरकार के भवन निर्माण विभाग की ओर से कल आदेश जारी किया गया है. उसमें कहा गया है कि विधान परिषद में विपक्ष के नेता के लिए एक बंगला फिक्स कर दिया गया है. ये 29, हार्डिंग रोड स्थित बंगला होगा. जिस बंगले में अभी लालू-राबड़ी परिवार रह रहा है, वह आवास उन्हें पहले पूर्व मुख्यमंत्री के नाते आवंटित हुआ था. 2005 में सत्ता में आने के बाद नीतीश कुमार ने ये फैसला लिया था कि राज्य के सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों को पटना में सरकारी आवास, सुरक्षा और दूसरी सुविधाएं दी जाएंगी।

तेजस्वी ने खटखटाया था ।ष्ट का दरवाजा

पूर्व सीएम की सुविधा के लिए नीतीश कुमार ने कई तरह के प्रबंध किए थे. दरअसल, 2017 में जब तेजस्वी डिप्टी सीएम पद से हटे तो सरकार ने उनसे बंगला खाली करने को कहा. उस समय जेडीयू-बीजेपी की साझा सरकार में सुशील कुमार मोदी को डिप्टी सीएम बनाया गया था और सरकार ने सुशील मोदी को 5, देशरत्न मार्ग का बंगला आवंटित कर दिया था. तेजस्वी को जब वह बंगला खाली करने का सरकारी नोटिस मिला तो वे इसके खिलाफ हाईकोर्ट चले गए।

नीतीश ने 2010 में बदल दिया था नियम

कोर्ट को ये जानकारी मिली कि नीतीश कुमार की सरकार ने सरकारी बंगले के आवंटन को लेकर पहले से चले आ रहे नियमों को 2010 में बदल दिया था. उसके बाद बिहार के पूर्व मुख्यमंत्रियों राबड़ी देवी, लालू यादव, जीतन राम मांझी, डॉ जगन्नाथ मिश्रा और सतीश प्रसाद सिंह को बंगला समेत ढेर सारी सुविधाएं दी गई थीं।

करीब 20 साल बाद आई ये नौबत

कोर्ट ने पहले तेजस्वी यादव की याचिका रद्द की यानी उन्हें डिप्टी सीएम होने के नाते मिला बंगला खाली करने को कहा. उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्रियों को बंगला, गाड़ी, सुरक्षा और स्टाफ देने जैसी सारी सुविधाएं वापस लेने का आदेश जारी किया. उसी केस के फैसले से अब राबड़ी देवी बंगला खाली करने को मजबूर होंगी. 10 सर्कुलर रोड का यह बंगला 2006 से लालू प्रसाद यादव परिवार का ठिकाना रहा है. यह बिहार की राजनीति का एक प्रमुख केंद्र रहा, जहां से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे।

मीरा भायंदर नगर निगमः बाला साहेब ठाकरे के आदर्शों को दे रहे तिलांजलि... शिंदे पर BJP का बड़ा आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के बाद बोर्ड गठन को लेकर महायुति की सहयोगी पार्टी भाजपा और शिवसेना (शिंदे) के बीच तकरार जारी है. मीरा भायंकर नगर निगम में गठबंधन को लेकर बीजेपी ने शिंदे सेना पर हमला बोला है और बाबा साहेब ठाकरे के आदर्शों को तिलाजंलि देने का आरोप लगाया है. मीरा भायंदर महानगरपालिका में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और कांग्रेस पार्टी में गठबंधन हो गया, जिसको लेकर महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है. भारतीय जनता पार्टी के मीरा भायंदर के विधायक नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे की पार्टी ने बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को नीतियों को तिलांजलि दे दी है. उन्होंने कहा कि जो एकनाथ शिंदे ने खुद उद्धव ठाकरे को सीएम की कुर्सी से हटाया और आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ने कांग्रस से हाथ मिलाकर सरकार बनाई. वहीं, एकनाथ शिंदे के कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाईक आज मीरा भायंदर में कांग्रेस से हाथ मिला लिए हैं. मेरा सवाल ये है कि एकनाथ शिंदे प्रताप सरनाईक को कैबिनेट मंत्री पद से कब हटा रहे है?

शिंदे सेना पर भाजपा का बड़ा आरोप

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट में विधानसभा सत्र में कांग्रेस को गाली देने वाली मुस्लिमों की पार्टी कहने वाली शिंदे सेना मीरा भायंदर में उसी कांग्रेस के साथ कुर्सी से कुर्सी लगाकर बैठेगी. उन्होंने कहा कि वसई विरार महानगर पालिका की जिम्मेदारी भी प्रताप सरनाईक पर थी. वहां भी शिंदे सेना की सिर्फ एक सीट आई है. हमारी ताकत मीरा भायंदर में इतनी ज्यादा है कि ये 16 लोग हमारा विरोध कर ही नहीं सकते. हम काम करेंगे और जनता का विकास करेंगे।

मीरा भायंदर नगर निगम में भाजपा को बहुमत

बीजेपी को मीरा-भायंदर नगर निगम चुनाव 2026 में बहुमत मिला है, लेकिन कांग्रेस और शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षदों ने आपस में गठबंधन दोनों दलों ने मीरा भायंदर विकास अघाड़ी नाम से संगठन बनाया है और मीरा-भायंदर शहर विकास आघाड़ी का गठन किया है. कांग्रेस के नगरसेवक जय ठाकूर का इस गठबंधन का नेता बनाया गया है. मीरा-भायंदर महानगरपालिका में कुल निर्वाचित नगरसेवकों की संख्या 95 हैं, जिनमें से 78 नगरसेवक भाजपा के होने की वजह से सत्ता पूरी तरह बीजेपी के पास है. वहीं विपक्ष में कांग्रेस के 13 नगरसेवक, शिवसेना के 3 नगरसेवक और 1 अपक्ष (निर्दलीय) नगरसेवक हैं. इस प्रकार कांग्रेस एवं शिवसेना शिंदे को मिलाकर कुल विपक्षी संख्या 16 हो गई है।

गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय एकता के महायज्ञ को पूरा करने के लिए संकल्प ले, आगे आये

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस केवल एक तारीख नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने स्वयं को केवल आज़ाद राष्ट्र ही नहीं बल्कि एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। इस दिन हमने अपने संविधान को अपनाया, जिसने हमें अधिकार ही नहीं दिए बल्कि कर्तव्यों की याद भी दिलाई। गणतंत्र दिवस हमें यह समझाता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि हर नागरिक के आचरण, सोच और कर्म से बनता है। यही दिन लोकतंत्र की भावना का सम्मान करने, संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करने का अवसर देता है। भारत की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, उसकी एकता और उसकी विविधता से है। गणतंत्र दिवस पर हम केवल परेड, झांकियों और तिरंगे को देखकर भावुक नहीं होते, बल्कि उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को भी याद करते हैं जिन्होंने इस देश की मिट्टी को अपने रक्त से सींचा। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, अशफाक उल्ला खाँ, रामप्रसाद बिस्मिल जैसे वीरों ने हँसते-हँसते फाँसी का फंदा चुना। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्यवाद की नींव हिला दी। जलियाँवाला बाग की अमानवीय घटना आज भी हमें याद दिलाती है कि आज़ादी कितनी भारी कीमत चुकाकर मिली है। अंग्रेजों की गोलियाँ हमारे शरीर को छलनी कर सकती थीं, लेकिन हमारे हौसलों को नहीं। उसी संघर्ष का परिणाम है कि आज हमारा तिरंगा स्वतंत्र आकाश में गर्व से लहरा रहा है। गणतंत्र दिवस हमें केवल अतीत पर गर्व करने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस, यदि हम इन्हें केवल औपचारिक उत्सव बनाकर संतुष्ट हो जाएँ तो यह उन बलिदानों के साथ अन्याय होगा। ऐसे राष्ट्रीय पर्व मूल्यांकन दिवस होने चाहिए, जब हम खुले मस्तिष्क और शांत हृदय से यह सोचें कि हमने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और नैतिक स्तर पर क्या हासिल किया और क्या करना अभी बाकी है। हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या हम संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों को अपने जीवन में उतार पाए हैं।

राम के जीवन का एक प्रसंग हमें वचन की महत्ता समझाता है। दिए हुए वचन को निभाने के लिए राम ने राजपाट तक त्याग दिया। आज जब राजनीति में बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और वे पूरे नहीं होते, तब राम का जीवन हमें आत्मचिंतन के लिए विवश करता है। लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है और सत्ता सेवा का माध्यम होनी चाहिए, स्वार्थ का नहीं। नेता और सरकार यदि राम के चरित्र से प्रेरणा लें तो शासन का स्वरूप अपने आप बदल सकता है। प्रजा से राजा है, राजा से प्रजा नहीं, यह भावना यदि व्यवहार में उतर जाए तो शासन जनकल्याण का सच्चा माध्यम बन सकता है। गांधी जी ने स्वतंत्र भारत का जो सपना देखा था, उसका केंद्र रामराज्य था। रामराज्य का अर्थ किसी धार्मिक शासन से नहीं बल्कि सद्गुणों के साम्राज्य से है, जहाँ सत्य, न्याय, करुणा और नैतिकता सर्वोपरि हों। आज स्वतंत्रता के दशकों बाद भी हम गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, असमानता और सामाजिक विषमता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सत्ता का मोह और स्वार्थ इन समस्याओं को और गहरा कर देता है। गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि शासन व्यवस्था जनकल्याण की भावना से संचालित हो और नागरिक भी अपने आचरण से राष्ट्र को मजबूत बनाएँ।

गरीबी उन्मूलन आज भी भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है। केवल सरकारी योजनाओं से ही गरीबी समाप्त नहीं होगी, इसके लिए समाज और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और समान अवसर ही गरीबी के स्थायी समाधान हैं। गणतंत्र दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम अपने स्तर पर क्या कर सकते हैं। क्या हम किसी ज़रूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में सहयोग कर सकते हैं, क्या हम ईमानदारी से कर देकर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं, क्या हम अपने काम में उत्कृष्टता लाकर देश की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। जब हर नागरिक अपने कर्तव्य को समझेगा, तभी गरीबी जैसी समस्याओं पर विजय संभव होगी। गणतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार देता है। वोट देना केवल अधिकार नहीं बल्कि जिम्मेदारी है। जागरूक और विवेकपूर्ण मतदान से ही स्वस्थ लोकतंत्र बनता है। गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें जाति, धर्म या तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में निर्णय लेने चाहिए। लोकतंत्र तभी उपयोगी है जब उसमें जनता की आवाज़ सशक्त हो और शासन जवाबदेह हो। संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, लेकिन उसके साथ यह दायित्व भी दिया है कि हम उसका प्रयोग जिम्मेदारी से करें।

आज के वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। विदेशी व्यापार और विदेश नीति में संतुलित और दूरदर्शी बदलाव भारत को आर्थिक और सामरिक रूप से शक्तिशाली बना सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल नारा नहीं बल्कि व्यवहार में उतरने वाली सोच है। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर, नवाचार को प्रोत्साहित करके और वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखकर भारत विश्वगुरु की दिशा में आगे बढ़ सकता है। गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प दोहराना आवश्यक है कि भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बने बल्कि नैतिक नेतृत्व भी प्रदान करे। सरकार के दायित्व और नागरिकों के कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। सरकार का कर्तव्य है कि वह पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील शासन दे, वहीं नागरिकों का कर्तव्य है कि वे कानून का पालन करें, सामाजिक सद्भाव बनाए रखें और राष्ट्रहित में योगदान दें। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, सामाजिक समरसता जैसे विषय केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं। गणतंत्र दिवस पर आम नागरिक यह संकल्प ले सकता है कि वह संविधान का सम्मान करेगा, दूसरों के अधिकारों का आदर करेगा और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएगा। आज जब हम तिरंगे को सलामी देते हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि यह ध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारे त्याग, संघर्ष और उम्मीदों का प्रतीक है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्श केवल संविधान की प्रस्तावना तक सीमित न रहें, बल्कि हमारे व्यवहार का हिस्सा बनें। गणतंत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम आत्ममंथन करें, संकल्प लें और कर्मपथ पर आगे बढ़ें। अंत में यही कहा जा सकता है कि गणतंत्र हमारे लिए तभी उपयोगी है जब हम उसे जीएँ, समझें और निभाएँ। यह दिन हमें अतीत के बलिदानों को नमन करने, वर्तमान की जिम्मेदारियों को समझने और भविष्य के भारत का सपना देखने की प्रेरणा देता है। आइए, इस गणतंत्र दिवस पर हम सब मिलकर यह प्रण लें कि हम एक सजग, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनेंगे, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे और भारत को सशक्त, समृद्ध और गौरवशाली बनाने में अपना योगदान देंगे। तिरंगे को सलाम, संविधान को प्रणाम और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए एकजुट कदम बढ़ाएँ। जय हिंद, जय भारत।

कांतिलाल मांडोत

अध्यात्मिक गौरव से ओतप्रोत भारतवर्ष, महान ग्रंथों से उत्सर्जित भारतीय चिंतन

वेद तथा सनातनी ग्रंथों से पाठन-पठन से मानव जीवन परिष्कृत होता है और सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान मानव धर्मार्थ की खोज में एक यज्ञ की तरह है भारतीय ऋग्वेद, अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के पूरे विश्व मैं परमाणु युद्ध की संभावना बनी हुई है। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता हैद्य पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था।

यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

भारत आगे बढ़ रहा है, क्या हम साथ चल रहे हैं?

[आज का भारत: नेतृत्व की ओर बढ़ता गणतंत्र]
[गणतंत्र दिवस: स्मरण नहीं, आत्मस्वीकार का क्षण]

26 जनवरी 2026 — भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस। यह केवल तिरंगा फहराने या परेड देखने का अवसर नहीं, बल्कि वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने गुलामी की जंजीरें तोड़कर केवल आज़ादी ही नहीं, बल्कि स्वयं के शासन का संकल्प लिया। यही वह क्षण था जब राष्ट्र ने तय किया कि उसका भविष्य संविधान, न्याय और नागरिक चेतना से संचालित होगा। 26 जनवरी कोई साधारण उत्सव नहीं, बल्कि वह दिन है जब भारत अपने विवेक के सामने खड़ा होकर स्वयं से पूछता है कि क्या उसने अपने गणतंत्र को केवल स्मरण तक सीमित रखा है या उसे अपने जीवन का संस्कार बनाया है। यह दिन तिरंगे की गरिमा से पहले नागरिक के चरित्र और कर्तव्यबोध की परीक्षा लेता है। यह हमें याद दिलाता है कि आज़ादी अतीत की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्तमान की सतत जिम्मेदारी है, क्योंकि राष्ट्र का भविष्य शब्दों से नहीं, बल्कि हमारे आचरण और कर्म से निर्मित होता है।

1950 में संविधान के लागू होने के साथ भारत ने यह दृढ़ संकल्प लिया था कि यह राष्ट्र शक्ति के दबाव या भय के आधार पर नहीं, बल्कि न्याय, समानता और विधि के सिद्धांतों पर चलेगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर की चेतावनी आज भी उतनी ही प्रखर है कि संविधान की सार्थकता उसके अनुच्छेदों में नहीं, बल्कि उसे लागू करने वालों की नैतिकता में निहित होती है। सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद मूल प्रश्न यह नहीं रह गया है कि हमारे पास अधिकार हैं या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम उन अधिकारों की गरिमा को निभाने वाले उत्तरदायी नागरिक बन पाए हैं।

भारत की प्रगति आज विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही है और उसे नए दृष्टिकोण से देखने को विवश कर रही है। विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल संरचना और आर्थिक विस्तार ने यह प्रमाणित कर दिया है कि भारत असीम संभावनाओं का राष्ट्र है। वैश्विक मंचों पर भारत की उपस्थिति अब अधिक आत्मविश्वास और प्रभाव के साथ उभर रही है। नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी दक्षता ने विकास के नए द्वार खोले हैं। स्वच्छ ऊर्जा, जैव आधारित अर्थव्यवस्था और निर्यात विस्तार ने प्रगति को नई दिशा और स्थायित्व प्रदान किया है। यह सब संकेत देता है कि भारत केवल आगे बढ़ने वाला देश नहीं, बल्कि नेतृत्व करने के लिए स्वयं को तैयार कर रहा है।

विकसित भारत की परिकल्पना अब केवल आकांक्षा नहीं, बल्कि स्पष्ट दिशा और ठोस लक्ष्य में बदल चुकी है। सम्मानजनक जीवन, सशक्त अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा की चाह हर नागरिक के मन में गहराई से समाई हुई है। जब विकास की योजनाओं में किसान, श्रमिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक समान भागीदारी निभाते हैं, तब प्रगति केवल दिखाई नहीं देती, बल्कि स्थायी रूप से जड़ें जमाती है। यह संकेत देता है कि विकास अब सीमित दायरों से बाहर निकलकर समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुँचने का संकल्प कर चुका है।

किन्तु इस प्रगति के उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी स्पष्ट दिखाई देती हैं। युवा बेरोजगारी आज सबसे गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। शिक्षित युवा अवसरों की प्रतीक्षा में हताशा और असमंजस का सामना कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था में कौशल, व्यावहारिक समझ और नैतिक मूल्यों की कमी साफ झलकती है। जब युवाओं को सही दिशा नहीं मिलती, तो उनकी ऊर्जा भटकाव में बदल जाती है। यह स्थिति केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए चेतावनी है। पर्यावरण संकट अब अनदेखा किया जाने वाला विषय नहीं रह गया है। वायु प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन विकास की नींव को ही चुनौती दे रहा है। नदियों की बिगड़ती दशा और शहरों की विषैली हवा यह स्पष्ट कर देती है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए बिना प्रगति टिकाऊ नहीं हो सकती। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आर्थिक मजबूती नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी है। स्वदेशी और हरित तकनीकों को अपनाए बिना भविष्य को सुरक्षित नहीं किया जा सकता। भ्रष्टाचार आज भी विकास पथ की सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। यह केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक स्वीकृति का रूप ले चुका है। जब नियमों को तोड़ना सामान्य व्यवहार बन जाता है, तब नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। इसके साथ ही जाति, धर्म और क्षेत्रीयता के नाम पर खींची गई रेखाएँ सामाजिक एकता को क्षति पहुँचाती हैं। विविधता भारत की पहचान है, लेकिन जब वही विभाजन का कारण बन जाए, तो गणतंत्र की नींव डगमगाने लगती है।

गणतंत्र दिवस हमें यह गहरी समझ देता है कि अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहारे टिके हैं। कर्तव्य के बिना अधिकार अर्थहीन और कमजोर हो जाते हैं। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव को अपने आचरण का आधार बनाए। नफरत और अफवाहों के स्थान पर संवाद, सहिष्णुता और समझ को बढ़ावा देना ही सच्ची देशभक्ति का परिचय है। समस्याओं से मुँह मोड़ने के बजाय समाधान खोजने की सोच विकसित करना समय की माँग है।

महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समानता और ग्रामीण विकास राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। जब तक समाज का हर वर्ग सुरक्षित, सशक्त और सम्मानित नहीं होगा, तब तक प्रगति अधूरी ही रहेगी। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता आज के युग में राष्ट्रीय दायित्व बन चुके हैं। अनुशासन, परिश्रम और नैतिकता के बिना कोई भी राष्ट्र न तो स्थायी विकास कर सकता है और न ही विश्व को मार्ग दिखा सकता है।

आज इस गणतंत्र दिवस पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम केवल आलोचना करने वाले नहीं, बल्कि सक्रिय सहभागी बनेंगे। हम विभाजन की नहीं, एकता और भाईचारे की राह चुनेंगे। हम अधिकारों की माँग के साथ कर्तव्यों के निर्वहन का साहस भी दिखाएँगे। जब भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर होगा, तब विश्व उसे केवल समृद्ध ही नहीं, बल्कि नैतिक, संवेदनशील और जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में पहचाने — यही हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी परीक्षा है और यही उसका ऐतिहासिक उत्तरदायित्व।

प्रो. आरके जैन

गणराज्य के स्वधर्म की तलाश : समकालीन भारत को परखने की एक ज़रूरी कसौटी

इक्कीसवीं शताब्दी में, जब बीसवीं सदी के विचार अपनी ऊर्जा खो चुके हैं, ठहरकर सोचने का साहस अपने-आप में एक असाधारण नैतिक और बौद्धिक पहल बन गया है। जहां बहसें हैं, शोर है, निष्कर्ष पहले से तय हैं, लेकिन विचार का धैर्य कहीं गुम हो गया है। इसी वैचारिक थकान और बौद्धिक जल्दबाज़ी के दौर में राजनीतिक विश्लेषक और भारत जोड़ो अभियान के राष्ट्रीय संयोजक योगेंद्र यादव की किताब 'गणराज्य का स्वधर्म' किसी तात्कालिक विवाद का हिस्सा बनने के बजाय हमसे ठहरकर सोचने का आग्रह करती है। उत्तर देने से पहले सवालों की जमीन तैयार करती है। यह किताब इस अर्थ में विशेष है कि वह भारत की समकालीन स्थिति को न तो पश्चिम से उधार ली गई कसौटियों पर कसती है और न ही किसी पारंपरिक विचार को आँख मूँदकर अंतिम सत्य मान लेती है। लेखक का आग्रह है कि भारत को समझने का पैमाना भारत गणराज्य का अपना स्वधर्म होना चाहिए - वह स्वधर्म जो हमारी सभ्यता की स्मृति, राष्ट्रीय आंदोलन के अनुभव और संविधान की आत्मा के ऐतिहासिक संवाद से निर्मित हुआ है। ऐसे समय में हमें एक बुनियादी सवाल के सामने खड़ा करती है - हम भारत को किस कसौटी पर परख रहे हैं? राष्ट्रीय आंदोलन इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव था। वह केवल राजनीतिक आज़ादी का संघर्ष नहीं था, बल्कि समाज-सुधार, आर्थिक पुनर्निर्माण और सांस्कृतिक आत्ममंथन का साझा प्रयत्न था। उसी मंथन से भारत गणराज्य का नैतिक-राजनीतिक स्वभाव आकार लेता है।

गणराज्य और गणतंत्र: एक जरूरी भेद

किताब का एक केन्द्रीय पहलू यह है कि वह गणराज्य और गणतंत्र के बीच के फर्क को फिर से स्थापित करती है। आमतौर पर लोग इन दोनों शब्दों को समान अर्थ में समझने की भूल करते रहे हैं, लेकिन लेखक बताते हैं कि आज के संकट को समझने के लिए इस अंतर को समझना ज़रूरी है। योगेंद्र यादव लिखते हैं - 'गणराज्य वह व्यवस्था है जहां सम्प्रभुता गण में निवास करती है - गणराज्य के लिए जरूरी है सम्प्रभुता का धारक और उसका धर्म- यानी जन, गण और मन। जन, यानी जनता जनार्दन। गण, यानी केवल जनसमूह नहीं बल्कि एक राजनीतिक समुदाय। और मन या जनमानस, यानी उस राजनीतिक समुदाय का अपना मानस हो, कुछ साझे सरोकार हों, आदर्श हों, भाव हों, मूल्यबोध हों। समान और सार्वभौमिक नागरिकता, आपसी जुड़ाव से पैदा हुई सामुदायिकता और एक साझी समझ गणराज्य होने की अनिवार्य शर्त हैं।'

गण की सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्था चाहिए-संविधान, कानून, मर्यादा और उसे लागू करने वाले लोग। इसी व्यवस्था का नाम गणतन्त्र है, लेकिन गणराज्य का प्राण जन-गण-मन में बसता है। यदि जनमानस से साझा मूल्य, सामूहिक सरोकार और नागरिक बराबरी का भाव गायब हो जाए तो तंत्र बचा रहकर भी गणराज्य खो सकता है। अतः गणराज्य और गणतन्त्र में दुराव नहीं है। गणतन्त्र किसी भी गणराज्य का एक अनिवार्य अंग है। गणराज्य राज्यसत्ता का स्वरूप परिभाषित करता है तो गणतन्त्र उसके संवैधानिक और कानूनी तन्त्र को निरूपित करता है।

भारतीय स्वधर्म के तीन आधार स्तंभ

लेखक योगेंद्र यादव जिस स्वधर्म की बात करते हैं, वह न तो धार्मिक संकीर्णता है और न ही किसी सांस्कृतिक श्रेष्ठता का दावा। वह स्वधर्म को तीन खतरों से अलग करके समझाते हैं - परधर्म (दूसरों की नकल), अधर्म (पाखंड और कदाचार) और विधर्म (धर्म का विकृत रूप पेश कर वर्चस्व की राजनीति करना)। समकालीन भारत के संकट को समझने के लिए यह वर्गीकरण बेहद उपयोगी है, क्योंकि यह हमें यह पहचानने में मदद करता है कि समस्या केवल शासन की नहीं, बल्कि दृष्टि और मूल्यबोध की भी है। स्वधर्म यहां एक नैतिक-राजनीतिक कसौटी है– जिसके आधार पर यह तय किया जा सकता है कि आज जो हो रहा है, वह भारत के लिए उचित है या नहीं। किसी देश की यात्रा को न तो किसी आयातित विचारधारा से परखा जा सकता है और न ही अपने-अपने आग्रहों के आधार पर। देश की दिशा और दशा को परखने का पैमाना उसका स्वधर्म ही हो सकता है। आज भारत गणराज्य के सामने सबसे बड़ा खतरा इसी विधर्म से है। लेखक स्पष्ट करते हैं कि 'भारतीय गणराज्य का स्वधर्म है - मर्यादा और लोक कल्याण पर आधारित लोकतंत्र। यह पश्चिमी मिजाज की लिबरल डेमोक्रेसी नहीं है। यहां जनता जनार्दन अपनी सम्प्रभुता मतदान के साथ सड़क और आन्दोलनों के मध्यम से भी अभिव्यक्त करती है। भारत गणराज्य ने संघवाद की धारणा और उसके ढांचे को कबूल किये बिना क्षेत्रीय स्वायत्तता और अकेन्द्रित सत्ता के विचार को मान्यता दी है।'

मैत्री, करुणा और विनय के त्रिवेणी संगम से उपजा भारतीय स्वधर्म

योगेंद्र यादव भारतीय गणराज्य के स्वधर्म को तीन सभ्यतागत सूत्रों में तलाशते हैं–मैत्री (सर्वधर्म समभाव), करुणा (समता) और विनय (लोकमर्यादा)। यही तीन मूल्य, भारतीय स्वधर्म की मूल संरचना बनाते हैं। लेखक का मानना है कि इन शब्दावलियों ने भारतीय सभ्यता के स्वधर्म को पहली बार परिभाषित किया। इन तीनों आदर्शों में कम से कम तीन हज़ार वर्षों की भारतीय विचार-परंपरा का सार निहित है, लेकिन ये मूल्य अपने प्राचीन रूप में संविधान में यथावत् स्थानांतरित नहीं किए गए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इनकी गहन छानबीन हुई, पुनर्व्याख्या हुई और आधुनिक यूरोप के विचारों से इनका सृजनात्मक संवाद स्थापित हुआ। फ्रांसीसी क्रांति के स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के उद्घोष को भारतीय मानस ने यांत्रिक रूप से नहीं अपनाया, बल्कि अपनी ऐतिहासिक परिस्थितियों, सामाजिक संघर्षों और नैतिक परंपराओं के आलोक में समझा। इसी मंथन से लोकतंत्र, कल्याणकारी राज्य और सर्वधर्म समभाव की एक देसी, लेकिन आधुनिक अवधारणा विकसित हुई। लेखक के अनुसार, मैत्री - जिसे आधुनिक भाषा में सर्वधर्म समभाव कहा गया - भारतीय सभ्यता की मूल संरचना का केंद्रीय तत्व रही है। भारतीय संदर्भ में धर्म का अर्थ कभी केवल 'रिलिजन' नहीं रहा; वह नैतिकता, जीवन-दृष्टि और सामाजिक व्यवहार का स्रोत रहा है इसलिए यहां धर्मनिरपेक्षता का आशय धर्म से दूरी बनाना नहीं, बल्कि किसी एक पंथ के वर्चस्व को रोकना रहा है। यही कारण है कि संविधान के हिंदी पथ में प्रयुक्त 'पंथ निरपेक्षता' शब्द यूरोपीय 'सेकुलरिज़्म' से अधिक सटीक प्रतीत होता है। भारतीय समाज की चुनौती चर्च और राज्य के टकराव की नहीं रही; हमारी चुनौती रही है–विविध आस्थाओं और समुदायों के बीच समभाव बनाए रखना। लेखक चेताते हैं कि 'हमारी समस्या चर्च-राज्य सम्बन्ध की नहीं है। 'सेकुलरवाद' बिना वजह हमारी बातचीत में उस यूरोपीय संदर्भ को घसीट लाता है जिसका हमारी समस्या उसका निदान से कोई लेना-देना नहीं रहा। हमें किसी पोप, खलीफा या धर्मगुरुओं के राज का खतरा नहीं है इसलिए यूरोपीय काट के अनीश्वरवादी या सभी धार्मिक मामलों के प्रति आंख मूंदने वाले सेकुलर निजाम की हमें कोई जरूरत नहीं है।'

स्वधर्म का दूसरा सूत्र है करुणा, अर्थात समता। यह किताब उस आम धारणा को चुनौती देती है कि समता का विचार भारत में पश्चिमी समाजवादी आंदोलनों के माध्यम से आया। लेखक स्पष्ट करते हैं कि भारतीय समाज में असमानता और अन्याय का इतिहास रहा है - विशेषकर जाति-व्यवस्था के रूप में, जिसने गैर-बराबरी को स्थायी और वैचारिक आधार दिया। इस सच्चाई से मुँह नहीं चुराया जा सकता, लेकिन किसी सामाजिक व्यवस्था का अस्तित्व यह सिद्ध नहीं करता कि वही समाज का नैतिक आदर्श भी हो। बौद्ध दर्शन, भक्ति और सूफ़ी परंपराएँ तथा स्वतंत्रता आंदोलन - इन सभी ने जाति-आधारित विषमता को एक स्वर में चुनौती दी। इस अर्थ में समता कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि भारतीय स्वधर्म की नैतिक अनिवार्यता है - जिसके बिना स्वतंत्रता और लोकतंत्र दोनों अधूरे हैं।

तीसरा सूत्र है विनय– यानी लोकतांत्रिक मर्यादा। लेखक योगेंद्र यादव प्राचीन भारतीय गणराज्यों से लेकर आधुनिक भारत तक लोकतंत्र की एक विशिष्ट भारतीय परंपरा को रेखांकित करते हैं। भारत में लोकतंत्र किसी राजशाही या तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष से नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की सफलता से जन्मा। इसलिए यहाँ लोकतंत्र की आत्मा केवल संस्थाओं में नहीं, बल्कि जनता के व्यवहार, असहमति की संस्कृति और जन-आंदोलनों में निहित रही है। भारतीय लोकतंत्र ने बहुमत के शासन को बहुसंख्यक वर्चस्व में बदलने से लंबे समय तक रोके रखा और विविधता के साथ लोकतंत्र का एक वैश्विक उदाहरण प्रस्तुत किया। लेकिन जब लोकमत निर्माण की प्रक्रियाओं पर कब्ज़ा होने लगा, तब लोकतंत्र के भीतर से ही उसके क्षरण की प्रक्रिया शुरू हुई। इमरजेंसी और बीते एक दशक-दोनों ही इस 'लोकतांत्रिक दिखावे के भीतर लोकतंत्र की हत्या' के उदाहरण हैं।

इन तीन सूत्रों के बाद लेखक चौथे सूत्र-देशाचार या संघीय भाव - की चर्चा करते हैं। भारत को संविधान ने 'फेडरेशन' नहीं, बल्कि 'यूनियन ऑफ स्टेट्स' कहा। यह शब्द चयन आकस्मिक नहीं था। भारत न तो पूर्णतः केंद्रीकृत राज्य है और न ही अमेरिकी अर्थों में संघीय। यहाँ एकता समरूपता से नहीं, बल्कि बहुलता की स्वीकृति से बनती है इसलिए भारत की एकता ना तो समरूपता की चाह रखती है, ना ही बहुलता का महिमामण्डन करती है।

भारतीय स्वधर्म का यह संघीय भाव सत्ता के विकेंद्रीकरण, स्थानीय स्वायत्तता और सांस्कृतिक विविधता के सम्मान पर आधारित है। एक भाषा, एक धर्म, एक संस्कृति की राजनीति इस स्वधर्म के प्रतिकूल है। किसी भी रूप में वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास - चाहे वह भाषा का हो, धर्म का या सत्ता का - अधर्म की श्रेणी में आता है। लेखक स्पष्ट करते हैं कि 'राज्यसत्ता की इस बुनावट पर औपनिवेशिक राज ने आधुनिक राष्ट्र और राज्य की परत बिछायी। इसने हमारे समाज और राजनीतिक सत्ता के स्वरूप में बुनियादी बदलाव किये। बेशक भारत गणराज्य का औपचारिक स्वरूप एक राष्ट्र-राज्य की आधुनिक परिपाटी के मुताबिक चलता है, लेकिन व्यवहार में भारतीय सभ्यता की गहरी बुनावट ने आधुनिक राष्ट्र, प्रभुत्व सम्पन्न राज्य और लोकतान्त्रिक राजनीति का रूप-रंग बदल दिया है।

एकछत्र केन्द्रीयकृत प्रभुत्वशाली? सत्ता हमारी सभ्यता का मिजाज नहीं है इसलिए व्यवहार में आधुनिक राज्य की शक्ति हमेशा मर्यादित रही है। अकेन्द्रित सत्ता, साझा प्रभुत्व और गठबन्धन आधारित शक्ति ही हमारे समाज का स्वधर्म रहा है। सरकार और समाज में सत्ता का बँटवारा हमारा स्वधर्म है। यहाँ सत्ता के स्वायत्त दायरे की जरूरत सिर्फ केन्द्र और राज्य सरकार के बीच नहीं बल्कि उसके बहुत नीचे पंचायत और मुहल्ला सरकार तक है। यहाँ राष्ट्रीय एकता बाकी सब भाषाई और क्षेत्रीय पहचान को खत्म करके नहीं बनती। यहाँ की तमाम भाषाई संस्कृतियों की पहचान भारत से अलग नहीं है, भारत पर निर्भर भी नहीं है। दरअसल भारत की पहचान इन सब पहचानों को जोड़कर बनती है। देश के बँटवारे की पृष्ठभूमि में बनाये संविधान में संघ के राज्यों को कानूनी शक्तियाँ देने में कोताही की गयी, स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था बनाने में लापरवाही रही। लेकिन इसमें कोई शक नहीं हो सकता कि भारतीय संघ की बुनियाद में वर्चस्व को नकारने वाला एक अलिखित समझौता है- केन्द्र सरकार, भाषा या साम्प्रदायिक लिहाज से बहुसंख्यक समाज या कोई भी सांस्कृतिक समुदाय अपना वर्चस्व स्थापित नहीं करेगा। अगर यह हमारा स्वधर्म है तो जाहिर है वर्चस्व स्थापित करने की कोई भी कोशिश अधर्म कहलाएगी। अन्य भारतीय भाषाओं पर हिन्दी का वर्चस्व स्थापित करना, पंचायतों और नगरपालिकाओं को स्वायत्तता ना देना और अस्सी के दशक में राज्य सरकारों को केन्द्र का गुलाम बनाने के प्रयास अधर्म की मिसाल हैं। यहाँ परधर्म है अमेरिकी या सोवियत तर्ज पर एक संघ बनाने की कल्पना, जिसका जिक्र ऊपर किया जा चुका है। लेकिन यहाँ भी असली खतरा विधर्म से है। हमारी सभ्यता के मिजाज के खिलाफ जाकर एक देश, एक भाषा, एक धर्म, एक जाति की समझ के आधार पर राष्ट्रीय एकता को एकरूपता की तरह परिभाषित करना विधर्म की चुनौती है। 'हिन्दी-हिन्दू-हिन्दुस्तान' की समझ हमारे स्वधर्म का विलोम है।

प्रत्यक्ष मिश्रा

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

9 इंच लंबी मूंछें बनी पहचान,पूरे क्षेत्र में हैं चर्चा का विषय

लालगंज (रायबरेली): दतौली गांव निवासी परमसुख पुत्र रामेश्वर कोरी (उम्र लगभग 65 वर्ष) अपनी अनोखी और करीब 9 इंच लंबी मूंछों को लेकर पूरे क्षेत्र में अलग पहचान रखते हैं। उनकी मूंछें न सिर्फ उनकी शान हैं, बल्कि वर्षों से उनकी पहचान भी बन चुकी हैं। परमसुख बताते हैं कि उन्होंने अपने पूरे जीवन में केवल एक बार ही मूंछों की कटाई कराई थी, उसके बाद आज तक कभी मूंछें नहीं कटवाईं। उनका मानना है कि मूंछें मर्द की शान होती हैं और सम्मान का प्रतीक भी। परमसुख के दो बेटे अजय और विजय रोज़गार के सिलसिले में परदेश में नौकरी करते हैं, जबकि वे स्वयं गांव में पत्नी रामरानी के साथ रहते हैं। जीवनयापन के लिए उन्हें सरकारी वृद्धा पेंशन मिलती है और साथ ही बकरी पालन कर वे अपना गुजर-बसर करते हैं। मूंछों के शौक को लेकर परमसुख का कहना है, 'आज के ज़माने में युवाओं के शौक बदल गए हैं, लेकिन हमारी पीढ़ी में मूंछें सम्मान और पहचान का प्रतीक थीं। 'आज भी परमसुख की मूंछें गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाकों में भी चर्चा का विषय बनी हुई हैं और लोग उन्हें इसी अनोखी पहचान से जानते हैं।

तहसील मलिहाबाद में सफल आयोजन पर अधिवक्ताओं में उत्साह, बार एसोसिएशन ने जताया आभार

मलिहाबाद। शनिवार तहसील मलिहाबाद में आयोजित कार्यक्रम की सफलता पर मलिहाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजकों की ओर से मलिहाबाद बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता साथियों का हृदय की अनंत गहराइयों से आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सभी अधिवक्ताओं के स्नेह, सहयोग और सहभागिता से ही यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं मंच संचालक राम सिंह यादव द्वारा किए गए कुशल संचालन, सूझबूझ और विद्वत्तापूर्ण प्रस्तुति की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। वक्ताओं ने कहा कि मंच संचालन में उनका योगदान स्मरणीय रहेगा और संपूर्ण अधिवक्ता समाज उनका सदैव ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद तिवारी, सदस्य अभिषेक द्विवेदी, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य शुभम तिवारी, कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य प्रखर तिवारी एवं एडवोकेट महेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति एवं सहयोग की भी विशेष सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ता समाज की एकता और गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लेते हुए 'जय हिंद, जय अधिवक्ता समाज' के नारे के साथ आयोजन का समापन किया गया।

सड़क पर अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी: डॉ. पुष्पा

सीतापुर। रोड सेफ्टी क्लब के तत्वाधान मे पुलिस विभाग के सहयोग से हिन्दू कन्या महाविद्यालय में शनिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संगोष्ठी का संचालन डॉ. वंदना सिंह द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत डॉ. अंजना रामजी यादव द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नेहा कुमारी द्वारा किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस विभाग से अंजलि श्रीवास्तव एवं पिंकी सिंह ने छात्राओं के समक्ष अपने विचार रखे। समाजशास्त्र विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. पुष्पा देवी गुप्ता ने भी छात्राओं को यातायात के नियमों को बताया एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सड़क पर अनुशासन और जागरूकता की आवश्यकता है हमेशा सीट बेल्ट और हेलमेट पहनें, गति सीमा का पालन करें, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। ड्राइविंग के दौरान फोन का उपयोग ध्यान भटकाता है और जानलेवा साबित हो सकता है। नशीले पदार्थ के सेवन के बाद ड्राइविंग करना खतरनाक हो सकता है। यातायात संकेतों का पालन करें, रेड लाइट जंप करना या सिग्नल तोड़ना दुर्घटनाओं को न्योता देना है। सड़क पर अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी है। गलत दिशा में गाड़ी न चलाएं और धैर्यपूर्वक ट्रैफिक नियमों का पालन करें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं, छात्राओं एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

बाइक की टंकी ब्लास्ट युवक जला जिंदा नाइट ड्यूटी करने जा रहा था, साथी गंभीर रूप से झुलसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक की टंकी फट गई। फिर पूरी बाइक आग का गोला बन गई एक युवक जिंदा जल गया। दूसरा युवक बुरी तरह झुलस गया। राहगीरों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक एक युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। गौरव तिवारी (21) और सियाराम (23) मिल में मजदूरी करते थे। नाइट शिफ्ट की ड्यूटी के लिए बाइक से जा रहे थे। हादसा जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर रामकोट थाना क्षेत्र में हुआ। गौरव तिवारी और सियाराम मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र की नई बस्ती के रहने वाले थे। दोनों की शुक्रवार को नाइट ड्यूटी थी। शुक्रवार शाम एक ही बाइक से दोनों मिल के लिए निकले। रात 9 बजे के करीब रामकोट थाना क्षेत्र के रायपुर गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। गिरते ही बाइक की टंकी फट गई और चिंगारी निकलते ही आग लग गई। कुछ ही पलों में बाइक में आग लग गई। बाइक चला रहा गौरव तिवारी आग में घिर गया और बुरी तरह झुलस गया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। गौरव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा सियाराम भी गंभीर रूप से झुलस गया राहगीरों और ग्रामीणों की सूचना पर रामकोट थाना पुलिस दमकल के साथ पहुंची और आग पर काबू पाया। झुलसे सियाराम को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल

भेजा गया, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है रामकोट प्रभारी सुरेश पटेल के अनुसार, हादसे में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है घटना की सूचना मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पिता वीरेंद्र ने बताया- गौरव ने दिवाली के मौके पर नई बाइक खरीदी थी, जिससे वह रोजाना मिल में मजदूरी करने जाया करता था!!

मोहम्मद हसीन अंसारी ने कक्षा एक की छात्रा द्वारा बनाई गई स्कैच पेंटिंग जिलाधिकारी को करी भेंट

लहरपुर सीतापुर उत्तर प्रदेश दिवस एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने जिलाधिकारी सीतापुर को कक्षा एक की छात्रा आयशा के द्वारा बनाई गई। जिलाधिकारी राजा गणपति आर को स्कैच पेंटिंग को भेंट किया और उन्होंने बताया राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य हर बालिका को पालने पोसने और शिक्षित बनाने के लिए प्रेरित करता है और बालिकाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाता है सरकार का प्रयास बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और बालिका हित में निरंतर कार्य कर रहा है। शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में हमारी प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार अथक प्रयास कर रही है मिशन शक्ति का कार्यक्रम इस क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल कर रहा है।

सुल्तानपुर में शंकराचार्य के अपमान पर पोस्टर वार

● कलेक्ट्रेट के बगल कांग्रेस नेता ने लगाई होर्डिंग, लिखा- शंकराचार्य का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- कलेक्ट्रेट के ठीक बगल एक होर्डिंग ने जिले की राजनीति में हलचल मचा दी है। युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुब्रत सिंह सनी द्वारा लगाए गए इस होर्डिंग पर लिखा है, 'शंकराचार्य का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

सुब्रत सिंह ने मीडिया को दिए बयान में आरोप लगाया कि प्रयागराज मेले में जगतगुरु शंकराचार्य और उनके शिष्यों के साथ सरकार तथा प्रशासन ने अभद्रता की। उन्होंने बताया कि शिष्यों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई, यहां तक कि उनकी चोटी पकड़कर घसीटा गया। पुलिस प्रशासन पर लाठियां बरसाने का भी आरोप है, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा खुद को हिंदुओं की सरकार बताती है। उन्होंने सवाल किया, 'इस देश में शंकराचार्य से बड़ा हिंदू कौन है? जब भगवान शिव का अवतार कहे जाने वाले शंकराचार्य के साथ ऐसा हो रहा है, तो भाजपा सरकार में हिंदू कहां सुरक्षित है?

उन्होंने आगे कहा कि शंकराचार्य के शिष्यों पर लाठीचार्ज किया जा रहा है, उनके साथ अभद्रता हो रही है और उन्हें स्नान करने से रोका जा रहा है। कांग्रेस नेता ने भाजपा के 'सबके साथ' और 'सनातन की सरकार' के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब इस मामले पर भाजपा नेताओं से पूछा जाता है, तो वे कोई जवाब नहीं देते और कन्नी काट लेते हैं।

भतीजे ने जमीन विवा में चाचा की की हत्या

● तीन गिरफ्तार, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर-उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में जमीन विवाद के चलते एक अधेड़ व्यक्ति की हत्या कर दी गई। यह घटना कोतवाली नगर के चुनहा क्षेत्र में हुई है। मृतक की बहन ने इस मामले में तौकीर हुसैन उर्फ हबीब हुसैन, खादिम हुसैन उर्फ हसन अब्बास, बिल्किस बानो और शोएब सहित कई अन्य अज्ञात लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों के अनुसार, आरोपी लंबे समय से मृतक को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। जमीन का विवाद दीवानी और कलेक्ट्रेट में विचाराधीन है। परिवार का कहना है कि उनकी भाभी भी लखनऊ में भर्ती हैं।

मृतक के परिवार ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कई बार थाने में शिकायतें दीं और एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई, लेकिन पुलिस ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली नगर पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर खादिम पुत्र हसन अब्बास, बिलकिश बानो पत्नी हसन अब्बास और शकीना बानो पत्नी खादिम (निवासीगण चुनहा करौदिया देहात, थाना कोतवाली नगर) के खिलाफ मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों को दिलाई गई मतदाता शपथ

रायबरेली: अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष की 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाता है इस वर्ष भी निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 25 जनवरी 2026 को जनपद स्तर पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन विभिन्न स्तरों पर किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी 2026 को साप्ताहिक अवकाश है। साप्ताहिक अवकाश की स्थिति में संबंधित शासकीय कार्यालय बंद रहेंगे। उपरोक्त के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आज शनिवार को जनपद के सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों को राष्ट्रीय मतदाता शपथ दिलाई गई।

योगी के समर्थन में उतरे ओपी राजभर

● प्रयागराज शंकराचार्य से जुड़ा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- शनिवार को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर पं राम नरेश त्रिपाठी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर पहुंचे। उन्होंने मीडिया बात करते हुए कहा कानून का राज है, संविधान से देश चल रहा है। कानून को अपने हाथ में लेना चाहते हैं तो प्रशासन है अनुमति ले लीजिये। एक तरफ जनता कह रही वीआईपी कल्चर खत्म होना चाहिए अब उसी कल्चर को मांग रहे हो। मांग रहे हो तो सिस्टम से मांग लो न। अपने मन से बिना परमिशन कही घुस जाओ कोई बात हो जाए तो जिम्मेदारी किसकी होगी सरकार की होगी। तब तो उंगली उठ जाएगी सरकार सुरक्षा नहीं दे पाई तो अनुमति लेकर जाना चाहिए।

योगी के कालनेमी वाले बयान पर राजभर ने कहा मुख्यमंत्री की मंशा है कि हनुमान जी लक्ष्मण जी की जान बचाने के लिए जा रहे थे। संजीवनी बूटी लाने जा रहे थे तो कालनेमी आया था न। बीच में रोड़ा पड़ा तो यहां लोग आस्था के साथ स्नान करने आ रहे हैं तो आप बाधा बन रहे हैं। आपको भी स्नान करके अपने घर जाना चाहिए। मंदिर में बैठकर पूजा पाठ करना चाहिए यहां बैठकर सरकार से और आपस में टकराहट का क्या फायदा है। पंचायत चुनाव टलने के सवाल पर उन्होने कहा ये मीडिया की उपज है, अभी सब लोग जान रहे हैं एसआईआर का कार्य 6 फ़रवरी तक चल रहा है। मत पत्र की छपाई हो रही है जो आपत्तिया मांगी गई उसका निस्तारण हो रहा है। चुनाव समय पर होगा।

गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल एसपी ने खामियां दूर कर भव्य आयोजन के दिए निर्देश, परेड कमांडर ने ली सलामी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित रूप देने के उद्देश्य से शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन सीतापुर के परेड ग्राउंड में रैतिक परेड का फुल ड्रेस पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया यह पूर्वाभ्यास पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में संपन्न हुआ। रिर्हसल के दौरान मिली कमियों को एसपी ने दुरुस्त करने के निर्देश दिए है पूर्वाभ्यास के दौरान क्षेत्राधिकारी परेड कमांडर अभिषेक कुमार के नेतृत्व में पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मियों की टोलियों ने परेड में भाग लिया। इसके साथ ही रिक्रूट महिला पुलिसकर्मी, एनसीसी कैडेट्स की टोलियां, आपात सेवा 112 की दो पहिया एवं चार पहिया पीआरवी वाहन (पुरुष एवं महिला), फायर सर्विस, महिला सुरक्षा दल तथा स्कूली बच्चों ने भी अभ्यास में सहभागिता की। सभी टोलियों ने निर्धारित क्रम और अनुशासन के साथ परेड अभ्यास कर अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर विनायक भोसले द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। उन्होंने परेड में शामिल प्रतिभागियों एवं अन्य कार्यक्रमों का गहन अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने परेड को और अधिक सुव्यवस्थित,आकर्षक एवं सुसज्जित बनाने पर जोर दिया इसके साथ ही समस्त पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी एवं स्वच्छ वर्दी धारण करने, नियमानुसार टर्नआउट बनाए रखने तथा अनुशासन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह,

जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण, प्रतिसार निरीक्षक तथा विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। एसपी ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए गणतंत्र दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की फुल ड्रेस रिहर्सल के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि सीतापुर पुलिस एवं अन्य सहभागी दल गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय एवं यादगार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं!!

तेज़ रफ़्तार का कहर डंपर ने मोटरसाइकिल को मारी जोरदार टक्कर हुई युवती की मौत, चालक वाहन सहित फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सदरपुर थाना क्षेत्र के रेउसा-महमूदाबाद मार्ग पर ग्राम धुरिया के पास शुक्रवार शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। धुरिया पुलिया के निकट एक अज्ञात डंपर ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे 22 वर्षीय युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती के पिता और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए जानकारी के अनुसार बहलोल नगर कटरा निवासी आलमगीर अपनी बेटी माबिया पत्नी इरशाद और पोता समीर के साथ मोटरसाइकिल संख्या क्क34 ष्ठ्ठ 4735 (स्प्लेंडर प्लस) से ससुराल से मायके की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह धुरिया पुलिया के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि माबिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आलमगीर और समीर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गोडैचा चौकी प्रभारी अरविंद यादव, दीवान रामदुलारे और कांस्टेबल शुभम तिवारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा भिजवाया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के

बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर अज्ञात डंपर और उसके चालक की तलाश की जा रही है माबिया की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी!!

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

●मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की बदल रही तस्वीर- मयंकेश्वर शरण सिंह

उ0प्र0 विकास व विरासत के पथ पर आगे बढ़ रहा- राज्यमंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली: उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर उ0प्र0 दिवस-2026 का आयोजन प्रदेश के सभी जनपदों में आयोजित किया गया, राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्र प्रेरणा स्थल, बसंत कुंज लखनऊ में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह एवं मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में जनपद में जीआईसी ग्राउंड में उ0प्र0 दिवस-2026 के जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ''विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश'' थीम पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री एवं संसदीय कार्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उ0प्र0 सरकार मयंकेश्वर शरण सिंह, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई तथा लखनऊ मण्डल पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें रायबरेली के ऐतिहासिक, पौराणिक व सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया। सूचना एवं संस्कृति विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें रायबरेली के अजय जादूगर द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसके पश्चात लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया तथा अतिथिगणों के उद्बोधन को सुना गया। कार्यक्रम में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, धनराशि के डमी चेक एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत टूलकिट/उपकरण वितरण, कृषि यंत्रीकरण योजनान्तर्गत ट्रैक्टर चाबी/ड्रोन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19) के तहत लाभार्थियों को लैपटॉप, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, समूह की महिलाओं सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र/स्वीकृति पत्र वितरित किये गये।

इस अवसर पर राज्य मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 24 जनवरी को प्रदेश के स्थापना दिवस (यू0पी0 दिवस) के अवसर पर प्रदेश के सभी जनपदों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यू0पी0 दिवस 2026 के आयोजन की थीम- विकसित उत्तर प्रदेश है, जो राज्य की समृद्ध विरासत और आधुनिक प्रगति को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश का गठन हुआ था। वर्ष 2017 में सरकार बनने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने निर्णय लिया कि उत्तर

प्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश की लोक संस्कृति, संगीत और पारम्परिक कलाओं की झलक प्रस्तुत की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल रही है। उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर हैं, उन्होंने कहा आज उत्तर प्रदेश विकास व विरासत के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें मंच प्रदान किया जा रहा है उ0प्र0 गौरव के सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश का गौरव बढ़ रहा है। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण, शिवेन्द्र सिंह, मुकेश श्रीवास्तव एवं विभिन्न विभागों के योजनाओं के लाभार्थीगण व जनसामान्य उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय प्रशासनिक कार्यालय महमूदाबाद में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती एवं बसंत पंचमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर विश्व मानव अधिकार कानून एवं अपराध नियंत्रण ट्रस्ट भारत के राष्ट्रीय प्रशासनिक कार्यालय, महमूदाबाद स्थित एम.एस.के.डी. पब्लिक स्कूल परिसर, मोहल्ला रमुआपुर, जनपद सीतापुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती एवं बसंत पंचमी का पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम माननीय एस.एस. दिनकर राष्ट्रीय संरक्षक भारत के मार्गदर्शन में तथा माननीया नीतू सिंह दिनकर राष्ट्रीय अध्यक्षा भारत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं माता सरस्वती जी की प्रतिमाओं पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर नेताजी को नमन किया तथा माता सरस्वती से ज्ञान, विवेक एवं सद्बुद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय, प्रदेश, मंडल, जिला एवं तहसील स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से रवि लाल रस्तोगी (राष्ट्रीय महासचिव), ओम प्रकाश पाण्डेय (राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी), अनुज कुमार जैन (राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं न्यूज़ एडिटर), ज्योतिष श्रीवास्तव, जयप्रकाश रावत राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी, चक्र सुदर्शन पाण्डेय (प्रदेश न्याय एवं विधि सलाहकार मंत्री), महंत रामभूषण मंडल अध्यक्ष लखनऊ,सुधीर कुमार वर्मा (मंडल लेखा कार्यालय प्रभारी), रामानंद शुक्ला जिला संरक्षक, सुधीर मिश्रा (जिला मीडिया प्रभारी), शिवदास (तहसील संयोजक), अशोक कुमार वर्मा नगर अध्यक्ष महमूदाबाद, सपना श्रीवास्तव (युवा महिला सशक्तिकरण मानवाधिकार मोर्चा, राष्ट्रीय अध्यक्ष) सहित अनिल वर्मा, ओमप्रकाश शुक्ला, विवेक कुमार विश्वकर्मा, प्रियंका गुप्ता, मुजीब अहमद, सुधीर चौहान, पंकज

कुमार वर्मा, तेज भान यादव, पंकज गुप्ता, विवेक वर्मा, अरविंद वर्मा, बैजनाथ रावत, शोभाराम वर्मा, राजाराम कन्नौजिया, शिव कुमार, दीपक मौर्य, रुद्र नारायण रस्तोगी, रोहित मिश्रा आदि बड़ी संख्या में सदस्य व पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्रनिर्माण में योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया तथा बसंत पंचमी के अवसर पर शिक्षा, संस्कृति और मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य करने का संदेश दिया गया।

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन की ऐतिहासिक जीत, मैत्री क्रिकेट फाइनल में इनकम टैक्स बार को 38 रनों से हराया

● .....रोमांच, अनुशासन और खेल भावना से भरपूर रहा फाइनल मुकाबला, अनुराग बाजपेई बने मैन ऑफ द मैच।

लखनऊ। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन, लखनऊ एवं इनकम टैक्स बार एसोसिएशन, लखनऊ के मध्य आयोजित मैत्री क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शनिवार को सेज क्रिकेट अकादमी, गोमती नगर (1090 चौराहा के निकट) में खेला गया, जो रोमांच, अनुशासन और खेल भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बना। टॉस जीतकर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया, जिसके बाद बल्लेबाजी करते हुए सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन की टीम ने संतुलित एवं आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित ओवरों में 147 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की टीम सेल्स टैक्स बार के गेंदबाजों के दबाव

में शुरू से ही संघर्ष करती नजर आई और सटीक लाइन-लेंथ व धारदार गेंदबाजी के सामने उसके विकेट लगातार गिरते चले गए, परिणामस्वरूप टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी और सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन ने यह फाइनल मुकाबला 38 रनों से जीतकर ऐतिहासिक विजय दर्ज की।

शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए अनुराग बाजपेई को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जबकि बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार दीपक तिवारी एवं धीरेंद्र कुमार वर्मा को संयुक्त रूप से मिला, बेस्ट बॉलर का सम्मान विजय कश्यप तथा बेस्ट फील्डर का पुरस्कार सुमित बाजपेई को प्रदान किया गया। पूरे मुकाबले के दौरान दोनों बार

एसोसिएशनों के सदस्यों और अधिवक्ताओं से मैदान खचाखच भरा रहा। मैच के उपरांत विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई, इस अवसर पर सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र एवं महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय सहित दोनों संगठनों के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय ने इस जीत को पूरे संघ के लिए गर्व का विषय बताते हुए खेल समिति के चेयरमैन मुकेश गौड़ के निर्देशन में पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि ऐसे मैत्रीपूर्ण आयोजन दोनों बार एसोसिएशनों के बीच सौहार्द, भाईचारे और खेल भावना को और अधिक सशक्त करते हैं, जो भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

थाना समाधान दिवस में 26 शिकायतें, अधिकांश राजस्व से संबंधित

मिल्कीपुर, अयोध्या। मिल्कीपुर सर्किल क्षेत्र में जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने थानों पर पहुंचकर फरियादियों की समस्याओं सुनीं और उनके निस्तारण के निर्देश दिए। इनायतनगर थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार एवं क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह ने थाना प्रभारी रतन कुमार शर्मा के साथ जनसुनवाई की। यहां कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8 मामले राजस्व से संबंधित रहे। एक प्रकरण का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। थाना खण्डासा में नायब तहसीलदार आनंद प्रकाश राय की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस संपन्न हुआ। यहां 9 फरियादियों ने अपने शिकायती पत्र प्रस्तुत किए। वहीं थाना कुमारगंज में प्रभारी तहसीलदार रंजन वर्मा ने थानाध्यक्ष संतोष कुमार के साथ जनसुनवाई की। इस दौरान 7 शिकायतें दर्ज की गईं। इस प्रकार मिल्कीपुर सर्किल के तीनों थानों में अपराह्न दो बजे तक कुल 26 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, राजस्व से संबंधित विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा, जिसकी बानगी आज देखने को मिली। अधिकांश मामले राजस्व से जुड़े रहे। अधिकारियों ने संबंधित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

दीक्षांत समारोह में छात्रों को दिए मेडल

हमीरपुरः– उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर सुमेरपुर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित दीक्षांत समारोह एवं मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया , जिसका शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे ने किया। प्रदर्शनी में मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के छात्र छात्राओं ने मॉडल प्रस्तुत किए। मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सिविल इंजीनिरिंग में इस वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस वर्ष में श्रेष्ठ तीन स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में दीक्षांत समारोह में प्रधानाचार्य विवेक कुमार सक्सेना ने संस्था की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्थान सेवा योजन की प्रतिबद्धता के लिए वचनबद्ध है। इस अवसर पर अलग अलग ट्रेड में प्रथम स्थान पाने वाले निखिल राज साहू, शुभम साहू,विवेक कुमार, अनुज कुमार,मेहरदीप, अमन कुमार, अंशु कुमार व विक्रांत प्रजापति को गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्थान की विभागाध्यक्ष गीता गौतम, पंकज सिंह, डॉ.आशीष कुमार मिश्रा,बीएस दिवाकर, सौम्या पांडे, आलोक कुमार, रमन सिंह, राहुल सिंह, रामकुमार सचान, मनोज कुमार,अभिषेक गुप्ता सहित विद्यालय परिवार एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार ने की मिस मैपिंग केसों की सुनवाई

हमीरपुरः– मौदहा तहसील परिसर में शनिवार के दिन एस. आई. आर. के फार्म भरने में नाम, पता या सम्बधियों के नाम मैंच नहीं करने पर जारी की गई नोटिसों की नायब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने सुनवाई की। इस दौरान भारी संख्या में ऐसे मतदाता मौजूद रहे। मतदाता सूची विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण यानि एस. आई.आर. के तहत मतदाताओं द्वारा फार्म भरने में रह गई कमियाँ या नाम, पता या परिजनों के नाम नहीं मिलान होने पर ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी की गई हैं जिनकी सुनवाई नायब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय मुस्करा में की इस दौरान भारी संख्या में ऐसे मतदाता मौजूद रहे। इस सम्बन्ध में नायब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने बताया कि उन्हें मुस्कुरा बीआरसी में लगाया गया है जिसके चलते तीन दिन में उन्होंने तिहत्तर नोटिसों की सुनवाई की है और अभी सुनवाई का सिलसिला जारी है। बाकि उनकी कोशिश यही है कि,कोई भी मतदाता न छूटने पाए।

वन विभाग की दोहरे मापदण्ड से उपजते सवाल

● बाघ की मौत मामले में दोषियों के ऊपर अब तक कार्यवाही का अभाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी की रिपोर्ट

शहडोल उमरिया- उमरिया जिले के चंदिया वन परिक्षेत्र में पिछले माह कथली नदी के किनारे बाघ की हत्या के मामले में दोषी वन कर्मचारियों के ऊपर अब तक कार्यवाही नहीं किये जाने से वन मंडलाधिकारी की कार्यवाही पर तीखे सवाल खड़े करके रख दिया है, जबकि नौरोजाबाद परिक्षेत्र के कल्दा बीट में राजस्व भूमि पर खैर के वृक्षों की कटाई को अवैध मानते हुए वन मंडलाधिकारी ने वन रक्षक और वन पाल को निलंबित करने का फरमान जारी किया गया है। इतना ही नहीं इसी तरह नौरोजाबाद परिक्षेत्र के मनेरी बीट में राजस्व गाँव करौंदी के खेत से दो सागौन वृक्ष का मामले में भी विभाग चुप्पी साधे बैठा हुआ है।

ज्ञात होवे की चंदिया वन परिक्षेत्र के अन्तर्गत पिछले 12 दिसंबर 2025 को कथली नदी के किनारे बिजली के करेंट से एक बाघ की हत्या का मामला दर्ज किया गया था, वन विभाग ने बाघ के हत्या के लिए छह आरोपियों को पकड कर न्यायालय भेज दिया, साथ ही इस मामले में दोषी पाये गये वन कर्मचारियों की जांच शुरू कर दी जांच में विभाग के कतिपय कर्मचारियों को दोषी पाया गया था, जिसकी जांच प्रतिवेदन वन परिक्षेत्राधिकारी और उप वन मंडलाधिकारी उमरिया की अनुशंसा सहित वन मंडलाधिकारी उमरिया के दफ्तर में पिछले एक माह से धूल खा रही है, लेकिन इस मामले में अब तक कोई ठोस कार्यवाही न होने से अधिकारियों पर कतिपय कर्मचारियों को बचाने के आरोप लगाये जा रहे हैं। नौरोजाबाद परिक्षेत्र के कल्दा बीट के कर्मचारियों के ऊपर हुई कार्यवाही से वन विभाग का कटघरे में खड़ा करता है, विभागीय कार्यवाही में इस तरह की असमानता बरतने के पीछे राज क्या छिपा है।

विदित होवे की बाघ एक राष्ट्रीय पशु है और उसके रख रखाव के लिए बाघ अभयारण्य बनाकर पाल रहे है और उसके हत्या के लिए दोषियों को जहाँ एक ओर जेल की हवा खा रहे हैं उसी मामले में

विभागीय कर्मचारियों के दोष साबित होने के बाद कार्यवाही न किया जाना विभाग के आला अधिकारी की कार्यवाही को न सिर्फ सवालों के घेरे में बताया जा रहा है, उन पर पक्षपात और विसंगति पूर्ण कार्यवाही के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। इस संदर्भ में वन मंडलाधिकारी विवेक सिंह से दूरभाष पर 9407199140 से संपर्क किया गया लेकिन नेटवर्क न होने के कारण बात नहीं हो पायी।

प्राथमिक विद्यालय अभिया में शिक्षा चौपाल संपन्न

भदोही/सुरियावा दिनांक 24/01/2026 को प्राथमिक विद्यालय अभिया के प्रांगण में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत न्यायपंचायत पूरे मनोहर की शिक्षा चौपाल बैठक आयोजित हुई। जिसमें पूरे न्यायपंचायत से प्रधान, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षक संकुल तथा अभिभावक उपस्थित रहे। इस अवसर पर नोडल शिक्षक संकुल नंदराज मौर्य द्वारा निपुण भारत कार्यक्रम शिक्षा गुणवत्ता एवं व्यवस्थाएं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, तथा प्राथमिक विद्यालय अभिया के प्रधानाध्यापक पूर्व एआरपी जितेन्द्र कुमार द्वारा उपस्थिति, नवाचार, TLM प्रदर्शन राष्ट्रीय आविष्कार आदि के लिए अध्यापकों एवं बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दीपक सिंह, राजधर, रामरती पाल, अवलेश, प्रदीप, दिनेश चन्द यादव, शिव शंकर जी, साधना, जितेन्द्र, नीलम सिंह आदि उपस्थित रहे।

करियर चुनाव में मन की सुनें छात्र- यथार्थ मिश्र

● मॉडल इंटर कॉलेज खसरौल में आयोजित करियर मेले में विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरावन (हरदोई)। पीएम श्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज खसरौल भरावन में शनिवार को करियर मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को करियर चयन को लेकर मार्गदर्शन दिया। एक्सपर्ट अवधेश त्रिपाठी ने कहा कि करियर का चुनाव करने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। उन्होंने लता मंगेशकर का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को तन-मन से लक्ष्य पर डटे रहने की प्रेरणा दी। अतरौली आईटीआई के प्रधानाचार्य मुकेश मिश्रा ने बताया कि आईटीआई में 12 विभिन्न ट्रेड उपलब्ध हैं, जिनमें छात्र अपने भविष्य के अनुसार करियर चुन सकते हैं।

यथार्थ मिश्रा ने तकनीकी क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए प्रश्न-उत्तर के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाएं दूर कीं। उन्होंने कहा कि करियर चुनाव में छात्र अपने मन की सुनें। जनता इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुनील पटेल ने अनौपचारिक संवाद में गोपनीयता और लक्ष्य पर फोकस रखने की बात कही। कॉलेज के प्रधानाचार्य रामसुजन मिश्रा ने भी लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विशाला देवी इण्टर कॉलेज ज्ञानेंद्र शुक्ला, डॉ. श्वेता, हरगोविंद सिंह, अंजली सिंह, रवि वर्मा, संजू वर्मा, अर्चना सिंह, राहुल कुमार, राज बहादुर सिंह, पंकज अवस्थी, शीतला प्रसाद शर्मा, शुभम कुमार, मनोज तिवारी, नदीम व विनोद यादव रहे।

गुवाहाटी में नाथ योगी समुदाय के कई संगठनों की संयुक पहल में किया प्रदर्शन, कामरूप जिला प्रशासन के जरिए मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

● पांच सौ से अधिक प्रदर्शनकारियों ने अलग-अलग मांगों को नारेबाजी से गूंज उठा चचल।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम प्रदेश योगी सम्मेलन और नाथ योगी छात्र संस्था की संयुक्त पहल में नाथ योगी युवा परिषद, नाथ योगी जातीय परिषद, नाथ योगी पुरोहित सम्मेलन और नाथ योगी महिला सम्मेलन के असम के सहयोग में आज राज्य के राजधानी के निकट गुवाहाटी के चचल में धरना प्रदर्शन किया।

असम के अलग-अलग हिस्सो से पांच सौ से अधिक नाथ योगी पुरुष और महिलाएं एकत्रित होकर अपने संवैधानिक अधिकारों की मांगो को प्ले कार्ड लेकर जिन पर अलग-अलग मांगें लिखी थीं: असम के मूलनिवासी नाथ योगि समुदाय को पूर्ण आरक्षण श्रेणी का दर्जा देना, नाथ योगी सैटेलाइट ऑटोनॉमस काउंसिल असम गठन कर देना, ट्राइबल बेल्ट और ब्लॉकों के साथ-साथ जनजाति ऑटोनॉमस काउंसिल के इलाकों में रहने वाले नाथ योगियों को ज़मीन के अधिकार देना, मुख्यमंत्री के किए वादे पूरे करना, हमें न्याय चाहिए, हर हर महादेव आदि नारेबाजी से माहौल गर्म करते हुए दिखाई दी।

गैरतलब है की असम में नाथ योगी समुदाय ने साल 2012 से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन एवं लोकतांत्रिक आन्दोलन के जरिए सरकार से असम में रहने वाले मूलनिवासी नाथ योगियों के लिए 1098 में राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए भूमि के अधिसूचना को कानून में तब्दील कर पूर्ण तरह से आरक्षित वर्ग का मर्यादा देना और नाथ योगी सैटेलाइट ऑटोनॉमस काउंसिल असम बनाने की मांग कर रहा है। लेकिन पहले के सरकार की तरह अब के भाजपा सरकार ने भी नाथ योगी समुदाय के समस्याओं को अनसुनी कर ने की आरोप लगाकर दुःख जताते हुए समुदाय के लोगों ने संयुक्त प्रयास में 25 दिसंबर 2025 से समग्र असम में मोशाल रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। आज की धरने स्थल से नाथ योगी संगठनों की नेतृत्व ने फिर सरकार से नाथ योगी समुदाय के मूल मांगें रखी एवं मुख्यमंत्री को 2026 के असम विधानसभा चुनाव से पहले समुदाय से किए अपने वादे पूरे करने की अपील की, नहीं तो असम में रहने वाले 40 लाख से ज्यादा शांतिप्रिय नाथ योगी अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए पूरे असम में तेज़ लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेंगे। धरने स्थल में कामरूप जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित होने पर अधिकारी के जरिए असम के मुख्यमंत्री डॉ हेमंत बिस्वा शर्मा को 21 मांगो वाले एक लिखित ज्ञापन भेजा।

देशभर में सक्रिय वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़, एएटीएस/दक्षिण-पूर्व जिला ने 11 लग्जरी कारों के साथ 2 शातिर अपराधी दबोचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (AATS), दक्षिण-पूर्व जिला ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में सक्रिय अंतरराज्यीय वाहन चोरी और फर्जी रजिस्ट्रेशन गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी निशानदेही पर देश के अलग-अलग हिस्सों से 11 चोरी की लग्जरी गाड़ियां बरामद की गई हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी चेसिस नंबर से छेड़छाड़, टोटल लॉस वाहनों के चेसिस नंबर का दुरुपयोग और फर्जी सेल लेटर व बैंक एनओसी के आधार पर गाड़ियों का अवैध रजिस्ट्रेशन कराते थे। पुलिस के अनुसार, 27/28 दिसंबर 2025 की रात थाना जामिया नगर क्षेत्र से एक मारुति एस-प्रेसो कार चोरी होने के संबंध में ई-एफआईआर संख्या 034942/2025 धारा 305(बी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच में ही यह आशंका जताई गई कि इस चोरी के पीछे किसी संगठित गिरोह का हाथ हो सकता है। इसी को देखते हुए मामले की जांच एएटीएस/दक्षिण-पूर्व जिला को सौंपी गई।

1 जनवरी 2025 को एसआई जितेंद्र और एचसी शेर सिंह को गुप्त सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश, मुंबई, पुणे और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में सक्रिय एक रिसीवर के पास कई चोरी की लग्जरी गाड़ियां हैं और इस मामले में चोरी हुई एस-प्रेसो कार भी उसी के पास मौजूद है। तकनीकी सहायता और मुखबिरों के जरिए सूचना को पुख्ता किया गया।इसके बाद इंस्पेक्टर अजय दलाल की निगरानी और एसीपी/ऑप्स/एसईडी रतन लाल के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए मुंबई के बांद्रा क्षेत्र से कुनाल सुभाष जायसवाल (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही दिल्ली से चोरी हुई एक हुंडई क्रेटा कार बरामद की गई। पूछताछ और पुलिस रिमांड के दौरान इस संगठित गिरोह के कई अहम राज सामने आए।आरोपी की निशानदेही पर 3 जनवरी 2026 को पुलिस टीम ने मुंबई के धारावी इलाके में छापेमारी कर मोहम्मद अमान (25 वर्ष) को गिरफ्तार किया, जो सेकेंड-हैंड कारों की खरीद-फरोख्त का अवैध कारोबार कर रहा था। उसके पास से भी दिल्ली से चोरी हुई एक क्रेटा कार बरामद की गई। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी कुनाल अपने साथियों के साथ मिलकर एक संगठित अंतरराज्यीय वाहन चोरी और धोखाधड़ी गिरोह चला रहा था। यह गिरोह दिल्ली से चोरी की गई गाड़ियों, लोन डिफॉल्ट और दुर्घटनाग्रस्त (टोटल लॉस) वाहनों को हासिल करता था। इसके बाद उनके चेसिस नंबर में छेड़छाड़ कर या टोटल लॉस वाहनों के चेसिस नंबर का इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नया रजिस्ट्रेशन कराया जाता था। इन गाड़ियों को बाद में भोले-भाले ग्राहकों को सस्ते दामों पर बेच दिया जाता था, जिससे आम जनता और वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान होता था। पूछताछ में आरोपी कुनाल ने खुलासा किया कि उसने कई चोरी की गाड़ियां फर्जी रजिस्ट्रेशन के साथ पुणे निवासी दर्शन, मुंबई निवासी अमान (जिसने आगे कोल्हापुर निवासी नीम को गाड़ियां बेचीं) और जालना निवासी शेख काशिफ को बेची थीं। उसने यह भी बताया कि ये वाहन बुलंदशहर (यूपी) निवासी काशिफ और हसन द्वारा चोरी किए जाते थे, जिनमें से हसन वर्तमान में उत्तर प्रदेश की जेल में बंद है। जांच के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर महाराष्ट्र के पुणे, कोल्हापुर, जालना और दिल्ली से कई चोरी की गाड़ियां बरामद की गईं। इनमें तीन टोयोटा फॉर्च्यूनर, चार हुंडई क्रेटा, दो मारुति ब्रेज़ा, एक मारुति एस-प्रेसो और एक मारुति वैगन-आर शामिल हैं। सत्यापन में पाया गया कि सभी गाड़ियों के चेसिस नंबर से छेड़छाड़ की गई थी और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनका रजिस्ट्रेशन कराया गया था। 20 जनवरी 2026 को इस गिरोह के मुख्य वाहन चोर काशिफ निवासी बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी निशानदेही पर एक चोरी की मारुति वैगन-आर बरामद की गई। अब तक कुल 11 हाई- एंड चोरी की गाड़ियां बरामद की जा चुकी हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और आगे और भी वाहन बरामद होने की संभावना है।दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। चोरी की गई गाड़ियों को दिल्ली से महाराष्ट्र पहुंचाकर उनकी पहचान बदल दी जाती थी और फिर उन्हें वैध वाहन बताकर बेच दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क के जरिए आरोपी भारी अवैध मुनाफा कमा रहे थे।पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मुख्य आरोपी कुनाल मुंबई का रहने वाला, ग्रेजुएट है और इस पूरे अंतरराज्यीय गिरोह का मास्टरमाइंड है। वहीं आरोपी काशिफ पहले भी एटीएम लूट और चोरी के कई मामलों में शामिल रह चुका है और उसके परिवार के अन्य सदस्य भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।

अखिल भारतीय दंगल में फहलवानों ने दिखाए दांवपेच

हमीरपुरः– सुमेरपुर कस्बे की छोटी बाजार में स्व. झुरी मिश्र की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय विशाल दंगल के आखिरी दिन एक दर्जन से ज्यादा रोमांचक कुश्ती संपन्न हुई। दंगल का शुभारंभ आयोजन जयप्रकाश दीक्षित ने किया। विशाल दंगल के आखिरी दिन नजरपूर अखाड़ा के अरुण ने फतेहपुर के जुनैद को रोमांचक मुकाबले में जोरदार पटकनी दी। उन्नाव के सुलखान ने गोरखपुर के विकास को परास्त किया। दंगल की सबसे बड़ी कुश्ती हरियाणा केशरी काली पहलवान एवं हमीरपुर महोबा केशरी हुकुम पहलवान के मध्य हुई। दस मिनट तक चली रोमांचक कुश्ती बराबरी पर छूट गई। बांदा के नीरज व उन्नाव के विश्वजीत, टेढ़ा के कुलदीप व कानपुर के हर्षित, टेढ़ा के वीरेंद्र व उन्नाव के ऋषि, फतेहपुर के अंकुर व इटावा के गोलू, कानपुर के सौरभ व इंगोहटा के कल्लू,पपरेंदा के रवि व तिलसरस के गोपाल आदि के मध्य हुई कुश्ती बराबरी पर छूट गई। इस मौके पर डॉ.इमाद ने दंगल के आयोजक जयप्रकाश दीक्षित को स्मृति चिन्ह,अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। दंगल में नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे,विहिप जिलाध्यक्ष रामदत्त पांडे, डॉ.इमामुद्दीन, कल्लू यादव, भार्गव प्रसाद मिश्रा, कैलाश दुबे, कुंजबिहारी पांडे, राजन दीक्षित, राजा दीक्षित, रामबाबू अवस्थी, पंकज तिवारी आदि हजारों लोग मौजूद रहे। दंगल में रेफरी के भूमिका रामकिशुन नन्ना एवं सूरजपाल सिंह ने निभाई। संचालन सुरेश यादव दपसौरा ने किया।

भारतीय किसान कल्याण संघ द्वारा खीर प्रसाद का वितरण

नैनी, प्रयागराज। माघ मेला के पावन अवसर पर बसंत पंचमी के दिन भारतीय किसान कल्याण संघ द्वारा माघ मेला अरैल सेक्टर 7 स्थित शिविर में खीर प्रसाद का वितरण किया गया जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया एवं सराहना की। संघ के राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व न्यायाधीश कैप्टन डी पी एन सिंह ने प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्कर्ष रमन सिंह ने किया। इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवनेश उपाध्याय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनियर एस बी सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पांडे, पंचकोशी प्रयाग संत सेवा समिति के महंत जन्मेजय प्रसाद शुक्ला, प्रबंधक अभिषेक शुक्ला, सहित सैकड़ो सहयोगी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रसाद वितरण भारतीय किसान कल्याण संघ ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया और मां गंगा से सभी के कल्याण की कामना की।

उत्तर प्रदेश दिवस पर हमीरपुर में विकास का भव्य प्रदर्शन

प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने प्रदर्शनी का किया शुभारंभ, योजनाओं और निवेश की दिखी झलक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः– उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर मुख्यालय के चौरा देवी प्रांगण में 'विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत' थीम पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ माननीय राज्य मंत्री, जलशक्ति विभाग उत्तर प्रदेश एवं प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में चिकित्सा, पुलिस, सूचना, नेडा, उद्यान, बेसिक शिक्षा, ग्राम्य विकास, कृषि, श्रम, क्रीड़ा, उद्योग, महिला एवं बाल कल्याण सहित विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े स्टॉल लगाए गए। सूचना विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी शासन काल से लेकर वर्तमान तक के नाम, प्रादेशिक विस्तार, प्रशासनिक संरचना एवं प्रदेश की उपलब्धियों को दर्शाया गया। साथ ही सरकारी योजनाओं से संबंधित प्रचार साहित्य का वितरण भी किया गया।

प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने सभी विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इस दौरान दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत हुनरमंद कारीगरों को टूल किट्स वितरित की गई। प्रेरणा कार्यक्रम के तहत गुजरात के बड़नगर विद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली शंकरपुर, कुरारा (हमीरपुर) की छात्रा काव्या यादव को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का पत्र नामक स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी संपन्न कराई गई। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया, जिसमें विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। सभा को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश की स्थापना हुई थी, इसलिए यह दिन प्रदेश के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और आज स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, जल, उद्योग सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं माननीय गृहमंत्री भारत सरकार के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी देखा और सुना गया। सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति ने कहा कि प्रदेश में शांति एवं सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण देश-विदेश के निवेशक उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनता जा रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जनपद की प्रमुख उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंद्रावल नदी पुनरोद्धार के अंतर्गत उद्योगों, खनन पट्टाधारकों एवं जनसहयोग से 60 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में बहने वाली चंद्रावल नदी का जीर्णोद्धार कराया गया, जिससे 22 ग्राम पंचायतों को सिंचाई सुविधा मिली और भूजल स्तर में वृद्धि हुई। इससे जनपद में 990 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्रफल का विकास हुआ है। मिशन जलोदय के माध्यम से जलस्तर बढ़ने से फसलों की पैदावार में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने बताया कि जनपद के 2,13,125 किसानों को 692.68 करोड़ रुपये की सम्मान निधि दी गई है। हर घर जल योजना के अंतर्गत 325.74 करोड़ रुपये की लागत से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 293.92 करोड़ रुपये की लागत से 24,398 आवास पूर्ण कराए गए हैं। इसके अलावा 302.76 करोड़ रुपये की लागत से हमीरपुर बाईपास परियोजना के अंतर्गत यमुना एवं बेतवा नदी सेतु तथा रोहन नाला का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद के 400 से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित की जा रही हैं। 2000 करोड़ रुपये की लागत से एनटीपीसी ग्रीन प्रोजेक्ट में निवेश किया जा रहा है। गेल इंडिया द्वारा मोहदा बांध पर सोलर प्लांट लगाया जाएगा, जबकि जिंदल और जेपी समूह द्वारा सीमेंट फैक्ट्रियों की स्थापना की जा रही है। जनपद में दो टीएचआर प्लांट सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

कार्यक्रम में चंद्रावल पुनरोद्धार में योगदान देने वाले उद्यमियों, जनसेवियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सीएम युवा योजना के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र, 15 स्वयं सहायता समूहों को 90 लाख रुपये के सीसीएल स्वीकृति पत्र, खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं, पीएम आवास योजना के लाभार्थियों, उत्कृष्ट शिक्षकों एवं आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा संत विलास शिवहरे, जिलाध्यक्ष भाजपा शकुंतला निषाद, नगरपालिका चेयरमैन कुलदीप निषाद, सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा, सीडीओ अरुण कुमार सिंह, सहित जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, निवेशक, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

निपुण भारत मिशन को मिली राठ में रफ्तार, शिक्षा चौपाल में सम्मानित हुए निपुण बच्चे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः– निपुण भारत मिशन को ज़मीनी मजबूती देने के उद्देश्य से राठ नगर के उच्च प्राथमिक विद्यालय महारानी लक्ष्मी बाई में संकुल स्तरीय शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। शिक्षा, समाज और प्रशासन की त्रिवेणी बने इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों से लेकर शिक्षकों, अभिभावकों और बच्चों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष के. जी. अग्रवाल, डॉ. जमील राठवी सहित अन्य अतिथियों एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर नोडल संकुल नीलम कौशल ने निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को विस्तार से रखते हुए कहा कि बुनियादी शिक्षा ही मजबूत भविष्य की नींव है। उन्होंने अभिभावकों एवं समाज से अपील की कि बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति सुनिश्चित कर शिक्षा अभियान को सफल बनाएं।

कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के निपुण बच्चों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। जिसमे हफीजुल (कक्षा 3), पवन (कक्षा 2), सृष्टि (कक्षा 3), अतिका (कक्षा 2), ज्योति (कक्षा 3), सरताज (कक्षा 2), अंकित (कक्षा 2) एवं राधिका (कक्षा 3) शामिल रहे। बच्चों को पुरस्कार देकर शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाया गया। शिक्षा में समाज की भागीदारी को रेखांकित करते हुए वार्ड सभासद एवं एसएमसी अध्यक्षों को भी सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले प्रधान अध्यापक, इंचार्ज प्रधानाध्यापक, शिक्षामित्र एवं संकुल शिक्षक मोहम्मद सलाउद्दीन, रुबीना कुरैशी, वैजयंती, दीपक कुमार–को सम्मान पत्र देकर उनके योगदान की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक नवीन बुधौलिया सहित माया मिश्रा, फरीन जहाँ, रचना द्विवेदी, रचना सिंह, सौरभ शर्मा, किरण शर्मा, मनमोहन, नौशाद अहमद सिद्दीकी, मोहिनी चंसोरिया, नरेंद्र तिवारी तथा नगर के गणमान्य नागरिक काशी प्रसाद गुप्ता, रहमत बेग, शिवशरण सोनी, सभासद आकाश सोनी, अवधेश जड़िया, श्रीकांत द्विवेदी, धर्मेंद्र कोस्टा, प्रवीण बुधौलिया सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।